

Gandhian movements

Compare, weigh evidence, practise

How to compare, rather than list

For each movement, ask four questions: What was sought? How was pressure applied? Who acted, and what limits appear? What changed immediately, and what longer-term claim can the evidence support? Separate a leader's prescribed method from what participants actually did. A movement can widen political participation without immediately achieving its declared objective.

Worked comparison 3: Quit India, from August 1942

Method and mechanism: the call 'Do or Die' was followed by arrests, underground activity such as Usha Mehta's radio, and parallel governments in places including Ballia, Satara and Tamluk. Participation and limits: activity after leaders' arrests shows initiative beyond central direction; naming these centres does not prove equal intensity everywhere or simultaneous, equally durable parallel governments. Outcome and interpretation: the existence of resistance matters, but it cannot alone establish when power would be transferred. Do not turn a chronology into a claim of inevitable success.

Chauri Chaura: explain the dispute

The case for withdrawal starts from Gandhi's insistence on ahimsa: a movement's means are part of its purpose, so violence is not a minor tactical inconvenience. The counterargument asks whether violence in one locality justified ending pressure nationally and interrupting others' sacrifices. A balanced judgment weighs ethical consistency against the political cost of withdrawal. Neither position establishes the unobservable counterfactual that continuing would certainly have won or certainly failed.

गांधीवादी आंदोलन

तुलना, साक्ष्य-मूल्यांकन और अभ्यास

सूची के बजाय तुलना कैसे करें

हर आंदोलन के लिए चार प्रश्न पूछें: लक्ष्य क्या था? दबाव कैसे डाला गया? किसने भाग लिया और कौन-सी सीमाएँ दिखीं? तत्काल क्या बदला और साक्ष्य किस दीर्घकालीन निष्कर्ष का समर्थन करते हैं? नेता द्वारा निर्धारित पद्धति और प्रतिभागियों के वास्तविक आचरण में भेद करें। कोई आंदोलन अपना घोषित लक्ष्य तुरंत पाए बिना भी राजनीतिक भागीदारी बढ़ा सकता है।

हल सहित तुलना 3: भारत छोड़ो, अगस्त 1942 से

पद्धति और उसका प्रभाव: 'करो या मरो' के आह्वान के बाद गिरफ्तारियाँ, उषा मेहता के रेडियो जैसी भूमिगत गतिविधियाँ और बलिया, सतारा व तामलुक जैसे स्थानों में समानांतर सरकारें दिखीं। भागीदारी और सीमाएँ: नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी गतिविधियाँ चलना केंद्रीय निर्देशन से आगे की पहल दर्शाता है; इन केंद्रों के नाम लेने से हर जगह समान तीव्रता या एक साथ बनी, समान अवधि तक चली सरकारें सिद्ध नहीं होतीं। परिणाम और व्याख्या: प्रतिरोध का अस्तित्व महत्वपूर्ण है, पर अकेले इससे सत्ता-हस्तांतरण का समय तय नहीं होता। घटनाक्रम को अनिवार्य सफलता का दावा न बनाएँ।

चौरी चौरा: विवाद समझें

वापसी के पक्ष का आधार गांधी का अहिंसा पर आग्रह है: आंदोलन के साधन उसके उद्देश्य का अंग हैं, इसलिए हिंसा मामूली रणनीतिक असुविधा नहीं है। प्रतिकर्षक पूछता है कि क्या एक स्थान की हिंसा के कारण राष्ट्रीय स्तर पर दबाव समाप्त करना और अन्य लोगों के त्याग का क्रम रोकना उचित था। संतुलित निर्णय नैतिक संगति और वापसी की राजनीतिक लागत, दोनों को तौलता है। किसी पक्ष से यह अप्रमाणित वैकल्पिक इतिहास सिद्ध नहीं होता कि जारी रहने पर आंदोलन निश्चित रूप से जीतता या अवश्य हारता।

Evidence and solved practice

Gandhian movements

Worked evidence-weighting: claim → evidence → limit

Claim: Gandhi widened the repertoire of nationalism. Evidence from the lesson: boycotts in Non-Cooperation, salt-law violation in Civil Disobedience, and underground activity after arrests in Quit India. Warrant: these are distinguishable ways to involve people in contesting colonial authority. Limit: methods listed at national level do not measure every group's participation, agreement with leadership or immediate gains. Better judgment: widening participation and changing methods are defensible claims; uniform unity and guaranteed victory require evidence this list does not supply.

Solved exercise E1

A learner writes: "Boycotting a court and breaking the salt law are the same act." Repair the distinction in two sentences.

Boycott withdraws cooperation from an institution; deliberate salt-law violation challenges a particular rule through non-compliance. They can coexist in a campaign, so distinguish the mechanism without inventing a watertight separation between movements.

Solved exercise E2

"Withdrawal after Chauri Chaura proves that Non-Cooperation had no political value." Identify the invalid inference and give a balanced replacement.

The claim equates a campaign's termination with the absence of any wider effect. A better answer separates the political cost of stopping from the ethical case for ahimsa and the movement's participatory methods. The fact of withdrawal alone cannot quantify all gains or losses, nor prove that continuation would have won.

साक्ष्य और हल सहित अभ्यास

गांधीवादी आंदोलन

हल सहित साक्ष्य-मूल्यांकन: दावा → साक्ष्य → सीमा

दावा: गांधी ने राष्ट्रवादी कार्रवाई के तरीकों का दायरा बढ़ाया। पाठ का साक्ष्य: असहयोग में बहिष्कार, सविनय अवज्ञा में नमक क़ानून का उल्लंघन और भारत छोड़ो में गिरफ़्तारियों के बाद भूमिगत गतिविधियाँ। तर्क: ये औपनिवेशिक सत्ता को चुनौती देने में लोगों को शामिल करने के अलग तरीके हैं। सीमा: राष्ट्रीय स्तर पर तरीकों की सूची हर समूह की भागीदारी, नेतृत्व से सहमति या तत्काल लाभ का माप नहीं है। बेहतर निष्कर्ष: भागीदारी के विस्तार और तरीकों में बदलाव का दावा उचित है; एक जैसी एकता और सुनिश्चित विजय के लिए इस सूची से अधिक साक्ष्य चाहिए।

हल सहित अभ्यास E1

एक विद्यार्थी लिखता है: “अदालत का बहिष्कार और नमक क़ानून तोड़ना एक ही कार्य है।” दो वाक्यों में अंतर ठीक करें।

बहिष्कार किसी संस्था से सहयोग वापस लेता है; नमक क़ानून का जानबूझकर उल्लंघन उसे न मानकर एक विशेष नियम को चुनौती देता है। दोनों एक अभियान में साथ हो सकते हैं, इसलिए आंदोलनों के बीच पूरी तरह अभेद्य दीवार बनाए बिना उनके प्रभाव-तंत्र में अंतर करें।

हल सहित अभ्यास E2

“चौरी चौरा के बाद वापसी सिद्ध करती है कि असहयोग का कोई राजनीतिक मूल्य नहीं था।” ग़लत निष्कर्ष पहचानें और संतुलित विकल्प दें।

दावा अभियान की समाप्ति को उसके सभी व्यापक प्रभावों के अभाव के बराबर रखता है। बेहतर उत्तर रुकने की राजनीतिक लागत को अहिंसा के नैतिक पक्ष और आंदोलन की भागीदारी वाली पद्धतियों से अलग परखता है। केवल वापसी का तथ्य सभी लाभ-हानियों को नहीं मापता, न सिद्ध करता है कि जारी रहने पर जीत मिलती।

Complete model answer

Gandhian movements

Original model answer

Assess how Gandhian mass movements widened nationalism while revealing limits of leadership and participation. Use examples and weigh the evidence.

261 words

Gandhi's contribution should be assessed through participation, methods and limits, rather than a sequence of inevitable victories. His early struggles at Champaran, Ahmedabad and Kheda connected political action with concrete grievances. Satyagraha, ahimsa and constructive work supplied an ethical and organisational framework.

Non-Cooperation used boycotts of schools, courts and foreign cloth. Civil Disobedience placed deliberate violation of the salt law at the centre of its opening campaign. The contrast is analytically useful: refusing cooperation and challenging a specific rule are related but distinguishable ways of contesting authority. The Gandhi-Irwin Pact and Second Round Table Conference also require us to examine negotiation alongside confrontation.

Quit India complicates a story centred only on Gandhi's direct control. Leaders' arrests were followed by underground activity and parallel governments. These examples indicate initiative beyond the detained leadership, but cannot establish identical participation or outcomes across all regions. Similarly, naming peasants, workers and women as participants does not prove that they shared every objective or gained equal influence.

Chauri Chaura makes the relationship between means and ends central to evaluation. Withdrawal can be defended as consistency with non-violence and criticised for interrupting political pressure. Neither argument proves what would have happened had the movement continued. Constructive work likewise deserves analysis as political activity rather than dismissal as an empty interval.

Thus, the strongest assessment is that Gandhi helped broaden nationalism's social reach and available methods. This achievement must be weighed alongside contested decisions, local initiative and uneven possibilities of participation. Historical importance does not require a claim that every campaign succeeded immediately or that independence followed automatically.

पूर्ण आदर्श उत्तर

गांधीवादी आंदोलन

मौलिक आदर्श उत्तर

मूल्यांकन करें कि गांधीवादी जन आंदोलनों ने राष्ट्रवाद का विस्तार करते हुए नेतृत्व और भागीदारी की सीमाएँ कैसे उजागर कीं। उदाहरण दें और साक्ष्यों को तौलें।

314 शब्द

गांधी के योगदान का मूल्यांकन भागीदारी, पद्धतियों और सीमाओं से करना चाहिए, अनिवार्य विजयों के क्रम के रूप में नहीं। चंपारण, अहमदाबाद और खेड़ा के उनके आरंभिक संघर्षों ने राजनीतिक कार्रवाई को ठोस शिकायतों से जोड़ा। सत्याग्रह, अहिंसा और रचनात्मक कार्य ने नैतिक तथा संगठनात्मक आधार दिया।

असहयोग ने स्कूलों, अदालतों और विदेशी कपड़े के बहिष्कार का उपयोग किया। सविनय अवज्ञा ने अपने शुरुआती अभियान के केंद्र में नमक क़ानून का जानबूझकर उल्लंघन रखा। यह अंतर विश्लेषण में उपयोगी है: सहयोग से इनकार और किसी विशेष नियम को चुनौती देना सत्ता का प्रतिरोध करने के संबंधित, पर अलग तरीके हैं। गांधी-इरविन समझौता और द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन भी टकराव के साथ वार्ता की जाँच की माँग करते हैं।

भारत छोड़ो उस कथा को जटिल बनाता है जो केवल गांधी के सीधे नियंत्रण पर केंद्रित है। नेताओं की गिरफ़्तारियों के बाद भूमिगत गतिविधियाँ और समानांतर सरकारें सामने आईं। ये उदाहरण बंदी नेतृत्व से आगे की पहल दर्शाते हैं, लेकिन सभी क्षेत्रों में एक जैसी भागीदारी या परिणाम सिद्ध नहीं करते। इसी तरह किसानों, मज़दूरों और महिलाओं को प्रतिभागी बनाने से यह सिद्ध नहीं होता कि उनके सभी उद्देश्य साझा थे या उन्हें समान प्रभाव मिला।

चौरी चौरा साधन और साध्य के संबंध को मूल्यांकन के केंद्र में लाता है। वापसी का बचाव अहिंसा से संगति के आधार पर और आलोचना राजनीतिक दबाव रुकने के आधार पर हो सकती है। कोई भी तर्क यह सिद्ध नहीं करता कि आंदोलन जारी रहता तो क्या होता। रचनात्मक कार्य को भी खाली अंतराल बताने के बजाय राजनीतिक गतिविधि के रूप में परखना चाहिए।

इसलिए सबसे ठोस मूल्यांकन यह है कि गांधी ने राष्ट्रवाद की सामाजिक पहुँच और उपलब्ध तरीकों को विस्तार देने में मदद की। इस उपलब्धि के साथ विवादित निर्णयों, स्थानीय पहल और भागीदारी की असमान संभावनाओं को भी तौलना होगा। ऐतिहासिक महत्त्व का अर्थ यह दावा नहीं कि हर अभियान तुरंत सफल हुआ या स्वतंत्रता अपने-आप मिल गई।

Review and apply

Gandhian movements

Why this answer works

The opening sets criteria. The middle compares methods and tests what examples can establish. The fourth paragraph weighs a real decision without pretending to know the alternative future. The conclusion judges significance without equating importance with immediate success. When adapting this answer, preserve the distinction between evidence, inference and uncertainty; do not add a quotation merely to make it sound authoritative.

Solved exercise E3

A paragraph lists Usha Mehta's radio and three parallel governments, then concludes that Quit India was uniformly directed from the top. What does the evidence support?

The examples support the existence of underground and local initiatives after leaders' arrests. They do not demonstrate uniform command, equal regional reach or identical duration. A defensible inference is that leadership influence and local agency must be examined together, rather than treating either as the whole explanation.

Solved exercise E5

Rewrite: "Each Gandhian wave was larger and therefore guaranteed independence." Keep what is useful in the analogy.

Waves can help remember movement and pause, but they cannot measure participation or predict success. For each campaign, establish its aims, methods, local reach and immediate outcome separately; do not infer inevitability from the dates 1920, 1930 and 1942.

समीक्षा और प्रयोग

गांधीवादी आंदोलन

यह उत्तर क्यों प्रभावी है

भूमिका मूल्यांकन की कसौटियाँ तय करती है। मध्य भाग तरीकों की तुलना करता है और परखता है कि उदाहरण क्या सिद्ध कर सकते हैं। चौथा अनुच्छेद वैकल्पिक भविष्य जानने का दावा किए बिना एक वास्तविक निर्णय को तौलता है। निष्कर्ष महत्त्व को तत्काल सफलता के बराबर रखे बिना निर्णय देता है। उत्तर ढालते समय साक्ष्य, निष्कर्ष और अनिश्चितता का भेद बनाए रखें; केवल प्रामाणिक दिखाने के लिए कोई उद्धरण न जोड़ें।

हल सहित अभ्यास E3

एक अनुच्छेद उषा मेहता के रेडियो और तीन समानांतर सरकारों के नाम देकर निष्कर्ष निकालता है कि भारत छोड़ो हर जगह ऊपर से एक जैसे निर्देशों पर चला। साक्ष्य किस बात का समर्थन करता है?

ये उदाहरण नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भूमिगत और स्थानीय पहलों के अस्तित्व का समर्थन करते हैं। इनसे एक जैसा निर्देशन, समान क्षेत्रीय विस्तार या समान अवधि सिद्ध नहीं होती। उचित निष्कर्ष है कि नेतृत्व के प्रभाव और स्थानीय पहल की साथ जाँच होनी चाहिए; किसी एक को पूरी व्याख्या न मानें।

हल सहित अभ्यास E5

पुनर्लेखन करें: “हर गांधीवादी लहर बड़ी थी, इसलिए स्वतंत्रता निश्चित थी।” उपमा का उपयोगी भाग बनाए रखें।

लहरों से आंदोलन और विराम याद रखे जा सकते हैं, लेकिन उनसे भागीदारी मापी या सफलता की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। हर अभियान के लक्ष्य, पद्धति, स्थानीय पहुँच और तत्काल परिणाम अलग जाँचें; 1920, 1930 और 1942 की तिथियों से अनिवार्य सफलता न निकालें।